दैनिक

क्यूँ नलिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः-275
मुरादाबाद
(Monday)
26 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रिय सुधि पाठको और सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

एन. राज शर्मा
प्रधान संपादक

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय सवर्ण परिषद
पवन ठाकुर
जिला अध्यक्ष
अलीगढ़

गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या पर बोले सीएम, यह राष्ट्रीय एकता का उत्सव;पूरे शहर में सुरक्षा हुई सख्त

गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या पर बोले सीएम, यह राष्ट्रीय एकता का उत्सव; पूरे शहर में सुरक्षा हुई सख्त

पूरे देश की तरह यूपी में भी गणतंत्र दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रदेश में मुख्य आयोजन विधानसभा के सामने होगा।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी है। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव है। उन्होंने आह्वान किया कि इस अवसर पर संविधान निर्माताओं के आदर्शों एवं महापुरुषों के सपनों को साकार करने का संकल्प लें तथा एकजुट होकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं।वहीं मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण कराने के साथ हमें संविधान के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। इस गणतंत्र दिवस पर संविधान के लागू होने के 76 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। न्याय, समता और बंधुता के मूल भाव के साथ हमारे संविधान ने 76 वर्ष की अपनी यात्रा को शानदार तरीके से तय किया है। राष्ट्र धर्म के प्रति समर्पण से ही देश महान बनता है। हमारे संविधान में हमारे मूल कर्तव्य और मौलिक अधिकारों का उल्लेख है। 'नेशन फर्स्ट' को ध्यान में रखते हुए हमें अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करना चाहिए।गणतंत्र दिवस समारोह पर सोमवार को आयोजित मुख्य परेड व अन्य कार्यक्रमों के कारण सुबह छह बजे से यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। यह व्यवस्था कार्यक्रम समापन दोपहर करीब 12 बजे तक लागू रहेगी। ये रहेगी व्यवस्था - आलमबाग, मवैय्या की ओर से चारबाग जाने वाला यातायात लाटूश रोड, गुप्ता तिराहा से बाल विद्या मंदिर और केकेसी की ओर नहीं जा सकेगा। लोग चारबाग, लाटूश रोड से बाएं बांसमंडी चौराहा, कैसरबाग या रविंद्रालय से दाएं यू-टर्न कर मवैय्या, आलमबाग होकर जा सकेंगे।- डीएवी कॉलेज ओवरब्रिज ढाल से व बासमंडी चौराहे से गुरु गोविंद सिंह चौराहा (राणा प्रताप) की ओर यातायात नहीं जाएगा। लोग कैसरबाग या चारबाग तिराहे से दाएं नत्था तिराहा, मवैय्या, आलमबाग होकर जा सकेंगे। - केकेसी तिराहे से चारबाग रवींद्रालय व राणा प्रताप चौराहे की ओर यातायात नहीं जा सकेगा। लोग लोको चौराहा, कुंवर जगदीश चौराहा, आमलबाग, सदर कैंट, अब्दुल हमीद चौराहा, एसएन ओवरब्रिज, लालबत्ती, बंदरियाबाग, गोल्फ क्लब चौराहा, गांधी सेतु (1090) चौराहा होकर जा सकेंगे।- सदर व कुंवर जगदीश चौराहा (बूचड़ी ग्राउंड), लोको चौराहे से केकेसी, चारबाग की ओर जाने वाला यातायात लोको चौराहे से आगे नहीं जा सकेगा। लोग लोको वर्कशॉप फतेह अली आलमबाग या सदर कैंट होकर जाएंगे।- हीवेट रोड तिराहे से राणा प्रताप चौराहे की ओर यातायात नहीं आ सकेगा, बल्कि यह यातायात बासमंडी या अशोक लाट चौराहा होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा। और हुसैनगंज चौराहे की तरफ जाने वाले वाहन लालबहादुर शास्त्री तिराहे से एनेक्सी तिराहे की ओर नहीं जा सेंकेंगे। यह यातायात लालबत्ती चौराहा या उदयगंज तिराहे से सदर ओवरब्रिज होते हुए भेजा जाएगा। कार पास वाले वाहनों को नियमानुसार पार्किंग तक जाने की अनुमति दी जाएगी।

अवकाश सूचना

प्रिय सुधि पाठको गणतंत्र दिवस पर कार्यलय का अवकाश रहेगा अब आपको अगला अंक 29/01/2026 को प्राप्त हो सकेगा - **प्रधान संपादक**

कार्यालय नगर पालिका परिषद फर्रुखाबाद

-: अपील :-

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद, फर्रुखाबाद समस्त नगरवासियों का हार्दिक अभिनन्दन एवं निम्नलिखित अपील करती है कि :-

- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नगर को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।
- नगर के विकास हेतु समय पर गृहकर/जलकर जमा करें।
- गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग एकत्र करें एवं गीले कूड़े से घर पर ही खाद बनायें।
- प्रतिबन्धित पॉलीथीन का प्रयोग न करें एवं नगर को पॉलीथीन मुक्त करने में अपना सहयोग प्रदान करें एवं उपयोग/भण्डारण पर रू0 25,000/- (रूपये पच्चीस हजार मात्र) तक जुर्माने का प्रावधान है।
- नलों की टोटियाँ खुली न छोड़ें एवं नैतिक दायित्वों का निर्वहन करें।
- अपने पालतू जानवरों को सड़क पर खुला न छोड़ें।

(वत्सला अग्रवाल)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
फर्रुखाबाद।

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

(विनोद कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
फर्रुखाबाद।

संपादकीय Editorial

The 'Mother of All Deals'

This year, January 27th, the day after Republic Day, could prove historic. A Free Trade Agreement (FTA) could be signed between India and the European Union. European Commission President Ursula von der Leyen has clearly indicated this, calling it the "Mother of All Deals." This statement is understandable. India, with a population of over 1.47 billion, is the world's fourth-largest economy. The International Monetary Fund (IMF) and the World Bank estimate that India's economy will be the fastest-growing economy in 2026-27, with a growth rate of around 6.5 percent. Gita Gopinath, former Deputy Managing Director of the IMF, estimates that India could become the third-largest economy by 2028. A trade agreement with such a country would provide European countries with a broad and diverse market. India's FTA with the European Union, comprising 27 countries with a GDP of $22.5 trillion, a population of approximately 460 million, and an average per capita income of approximately $49,000, will undoubtedly send a startling message to the entire world. This agreement will be crucial for a population of over 1.93 billion. New trade avenues will open up, demand for products will increase, production will grow, and consequently, new jobs will be created. It is noteworthy that several rounds of trade negotiations between the two countries continued for 19 years. It was then named the Broad-Based Trade and Investment Agreement (BTIA), but despite several rounds of negotiations between 2007 and 2013, a trade agreement could not be reached. The EU disagreed on issues such as market access, taxes, intellectual property rights, labor laws, and environmental standards. Europe's concerns about carbon footprint remain. However, India has also made sincere efforts to reduce carbon emissions to near-zero through alternative measures. For example, forest expansion, clean energy, etc. Clearly, the EU understood India's seriousness regarding the environment and pollution. However, this agreement was delayed and delayed for years, until finally, in 2022, with renewed political will, negotiations began to conclude a comprehensive FTA. In the 2024-25 fiscal year, India's exports to the EU amounted to $75.85 billion, while imports amounted to $60.68 billion. Nevertheless, India's exports to Europe are significantly lower than those to China. The EU could now become India's largest trading partner. Currently, textiles, readymade garments, leather goods, and marine products imported from India are taxed at 2-12 percent. With regard to pharmaceuticals, especially generic medicines and chemicals, the approval process, taxes, and other standards will be relatively simplified after the FTA. Clearly, products will become cheaper, leading to greater sales in the European market. The FTA will exempt India from the EU's Carbon Border Adjustment Mechanism. Although both sides aim to achieve net-zero carbon emissions by 2050, achieving this is a significant challenge for India, a steel and aluminum producer. Currently, European wines and spirits are taxed at 150-200%. Premium and luxury cars from Europe also face import duties of 100-125%. If an FTA is reached, European imports of industrial machinery, electrical goods, and chemicals, as well as service sectors like IT, engineering, business services, and telecom, will benefit. New opportunities could also emerge in India for aircraft parts, diamonds, and luxury goods. European luxury cars may become more affordable in India.

From determination to modernity, Uttar Pradesh has become the 'growth engine' of India's development.

On Uttar Pradesh Day, Chief Minister Yogi Adityanath highlighted the state's progress. After 2017, Uttar Pradesh transformed from a 'BIMARU' state to India's 'growth engine'. Law and order improved, and the economy grew from 13 lakh crore to 35 lakh crore. The state is poised to become a trillion-dollar economy by 2029-30. Significant growth has been achieved in agriculture, industry, women's empowerment, and employment, leading to the goal of a self-reliant Uttar Pradesh by 2047. Since 2017, Uttar Pradesh has transformed from a 'BIMARU' state to a 'growth engine'. The economy has grown from 13 lakh crore to 35 lakh crore. The goal is a self-reliant, developed Uttar Pradesh by 2047. Today, all the people of Uttar Pradesh are celebrating Uttar Pradesh Day with great joy and pride. Our state, encompassing nine climatic zones, rich in diversity, and infinite potential, has been the origin of India's cultural soul, a center of spiritual consciousness, and a cornerstone of economic strength. With immense potential in agriculture, industry, and tourism, our state today has become a vibrant hub of youth, talent, and entrepreneurship. The year 2017 proved to be a turning point in Uttar Pradesh's history. Previously, organized crime and the mafia system that flourished under the patronage of the ruling party had shaken the confidence of both ordinary citizens and investors. The image of a "BIMARU" state was overshadowing Uttar Pradesh's true potential and possibilities. After forming the government in 2017, we resolutely implemented a "zero tolerance" policy across the state. Where curfews and riots were once considered commonplace, today there is an atmosphere of peace, stability, and trust. This safe and trustworthy environment has become the strongest foundation for Uttar Pradesh's development journey. Under the guidance of Prime Minister Modi, the mantra of "Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas, Sabka Prayas" was implemented with full commitment and dedication in the state. As a result of the sustained and coordinated efforts of the double-engine government, Uttar Pradesh has embarked on a historic journey from "bottleneck to breakthrough," from "revenue deficit to revenue surplus," and from "nuisance to celebration." Today, Uttar Pradesh has become the "growth engine" of India's development. The dignity of Ayodhya, the eternal consciousness of Kashi, the devotion of Brajdham, and the harmony of Prayagraj have provided new direction and energy to India's cultural consciousness for ages. Continuous efforts to preserve and promote the state's cultural heritage have contributed significantly to the overall development of the state, strengthening tourism, employment, and the local economy along with a cultural renaissance. Record police recruitments, women's empowerment, modern policing, robust cyber and forensic infrastructure, and the extensive expansion of rapid emergency services have provided new strength and credibility to the state's law and order. While Uttar Pradesh's Gross State Domestic Product (GSDP) stood at approximately ?13 lakh crore in 2017, it is now rapidly approaching ?35 lakh crore, marking a historic jump of ?22 lakh crore. Contributing approximately 9.5 percent to the country's Gross Domestic Product (GDP), Uttar Pradesh has become India's second-largest economy. The state has succeeded in nearly tripling its per capita income. We are moving towards making Uttar Pradesh a $1 trillion economy by 2029-30. Uttar Pradesh has consistently remained a revenue surplus state. This significant achievement has been achieved without imposing any additional taxes on the public, proving that development and fiscal discipline can be successfully achieved simultaneously. Despite having approximately 11 percent of the country's total agricultural land, the state contributes over 21 percent to the country's total food grain production. Record payments of minimum support prices, direct and middleman-free transfers through DBT, and a streamlined system from seed to market have played a decisive role in increasing farmers' incomes. Since 2017, sugarcane farmers have been paid nearly ?3 lakh crore, a significant increase compared to previous decades. This has made agriculture more sustainable and profitable. Investors who once avoided the state due to weak law and order and policy paralysis are now competing to invest in Uttar Pradesh. The state has achieved a top position in the country in deregulation, attracting record levels of industrial investment. Over 34 sectoral policies and digital platforms like "Invest Mitra" and "Invest Sarathi" have created a smooth, transparent, and trustworthy environment for industries. MoUs are no longer limited to paper, but are yielding tangible results, from groundbreaking to production and widespread employment generation. Today, more than 27,000 factories are operating in the state. The efforts of the double-engine government have transformed MSMEs, startups, and ODOPs from local to global. Approximately 55 percent of the country's mobile phone production and nearly 60 percent of electronic components are manufactured in Uttar Pradesh today. The rapid expansion of expressways, airports, rapid rail, and metro has provided unprecedented momentum to the state's trade, tourism, and investment. Uttar Pradesh is emerging as a new hub of investment and innovation. New employment opportunities are being created in these sectors, and youth are being prepared for the future by equipping them with modern skills. Through government recruitment, self-employment schemes, and MSMEs, millions of people have gained employment and livelihood opportunities. Today, medical infrastructure in the state has expanded significantly. Initiatives like Mission Shakti, Self-Help Groups, BC Sakhi, and Drone Didi have played a crucial role in economically empowering women. Women's labor force participation has increased from 13 percent in 2017 to 36 percent today. The goal of zero poverty has lifted more than 60 million people above the poverty line. On the occasion of Uttar Pradesh Day, it is clear that our development journey is progressing at a rapid pace. We have the goal of a developed and self-reliant Uttar Pradesh by 2047.

Fatal Neglect of Public Safety, Systemic Insensitivity Exposed

The death of Noida engineer Yuvraj Mehta, who died after his car fell into a flooded basement due to fog, has exposed administrative negligence and disregard for public safety. Despite surviving for nearly 90 minutes, he was unable to be saved due to the incompetence of rescue teams. This incident reflects the profound insensitivity of urban bodies, development agencies, and emergency services, which disregard safety standards nationwide. The death of the Noida engineer is a direct result of administrative negligence. The blatant disregard of safety measures at construction sites was exposed. The incompetence and lack of coordination of the rescue team proved fatal. The death of 27-year-old Noida engineer Yuvraj Mehta occurred not on a battlefield or in a natural disaster, but on the side of a common road we travel carefree every day. Due to fog, the young man's car fell into a flooded basement of a construction site, drowning in the presence of numerous people. This incident exposes the profound insensitivity of our municipal bodies, development agencies, and emergency response systems. Yuvraj remained alive for approximately 90 minutes after the accident. His car fell into a pit-like basement because it was left open, without barricades, warning signs, lights, or reflectors. He struggled alone in the cold water, pleading for help. His father arrived at the scene, as did rescue workers, but they failed to take any effective action for nearly two hours. Sometimes citing the cold water, sometimes citing a lack of equipment. Yuvraj was a victim of administrative negligence. Public outrage over such incidents is natural. These are not isolated incidents; they are symptoms of a deep and persistent systemic failure. Such dangers exist in every city, but remain unnoticed until someone loses their life. To understand any tragedy, it is necessary to examine the chain of negligence that precedes it. The pothole in Noida where Yuvraj's car fell had been previously warned of roadside erosion and waterlogging. Yet, nothing was done. There were no barricades, no warning signs, and no adequate lighting—all of which are basic safety measures. Urban development authorities, municipal corporations, and public works departments across the country appear to ignore safety standards. Open drains, uncovered sewer lines, roadside excavations, and potholes have become commonplace. Construction materials lying on roads constrict traffic and pose a serious hazard at night. The situation is further exacerbated when roads are left dug up for months and scattered without reflectors, making them invisible in low light. These are systemic failures that we ignore until a major accident occurs. Government agencies are not solely responsible for this situation. Builders violate safety regulations, mining mafias damage roads with overloaded vehicles, and small trucks ignore load limits. Profits are placed above human life. The situation worsens when the administration remains silent. Apathy, political pressure, corruption, and influential nexus weaken oversight, allowing violations to continue unchecked. My experience filing an FIR against the Public Works Department for dangerous roads in Udham Singh Nagar, Uttarakhand, demonstrates this. Instead of correcting the mistake, the entire system was focused on self-defense. This mentality persists even today. No driver should have to face a water-filled pothole while traveling on a familiar road. The excuse of fog is also unacceptable, as it happens in winter. What's serious is that a similar accident had occurred at the same location in Noida a few days earlier, yet safety measures were not taken. It was a high-risk "black spot," with poor lighting, a blind curve, standing water, and a deep pothole. Multiple emergency agencies rushed to the scene, but lacked adequate equipment, coordination, and readiness. Such helplessness is unforgivable when systems like the police, SDRF, and fire service are in place. This tragedy was entirely preventable. The danger should have been identified earlier. Any excavation near the road must be secured with barricades, reflectors, warning lights, and railings. Blind turns should never lead to unprotected water bodies. Construction sites should not be allowed to remain unprotected overnight. Safety audits should be mandatory, and citizen complaints should be promptly addressed. If a better-equipped SDRF team had been called in time and senior officials informed immediately, the outcome might have been different. The job of emergency teams is not to avoid risk, but to respond to it. While Noida demonstrated the failure of infrastructure, Indore exposed the weaknesses of citizen health protection. Despite complaints of smelly water, timely action was not taken, and many people died from contaminated water. This happened in a city praised for its cleanliness. Cosmetic achievements cannot substitute for genuine public health vigilance. We often accept broken roads, leaking pipelines, and unsafe construction as normal. Governance becomes reactive rather than preventative. Accountability is briefly visible after a tragedy and then disappears. Public safety cannot be compromised. accident-prone Identification of black spots, mandatory safety measures, regular audits of construction sites, strict penalties for negligence, timely grievance redressal, and robust emergency units are essential. Development without public safety is not progress. Infrastructure is meant to save lives, not to gamble with it. If we can build expressways and launch satellites, we can also ensure safe roads, clean drinking water, and effective emergency systems. The lack is not of resources, but of will. Unless accountability is established and strictly enforced, and negligence is criminalized, such tragedies will continue.

हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाया और किया ब्रेनवॉश... क्या यह गहरी साजिश है?; पीड़िता के भाई ने कही बात

मुरादाबाद के बिलारी में नाबालिग हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पीड़िता के भाई ने थाने में तहरीर देकर पांच छात्राओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। मामले की पुलिस जांच कर रही है।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाए जाने का मामला सामने आने के बाद माहौल गरमा गया है।

बिलारी नगर की साहूकुंज कॉलोनी में ट्यूशन पढ़ने जाने वाली 16 वर्षीय हिंदू छात्रा को उसकी मुस्लिम सहेलियों ने कथित तौर पर दबाव बनाकर बुर्का पहनाया। वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के भाई की ओर से थाना बिलारी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसमें कहा गया है कि उसकी बहन 12वीं कक्षा की छात्रा है और वह साहूकुंज कॉलोनी में शिक्षक के घर ट्यूशन पढ़ने जाती थी।उसके साथ पांच मुस्लिम छात्राएं भी पढ़ती थीं, जिनसे 11वीं कक्षा के दौरान उसकी दोस्ती हुई थी। आरोप है कि इसी दोस्ती के दौरान छात्राओं ने धीरे-धीरे उसका ब्रेनवॉश करना शुरू कर दिया। पीड़िता के भाई का कहना है कि 20 दिसंबर को ट्यूशन से लौटते समय उसकी बहन पर दबाव बनाकर उसे बुर्का पहनाया गया। छात्रा से कहा गया कि बुर्का पहन ले, उस पर अच्छा लगेगा। आरोप है कि यह सब उसकी मर्जी के खिलाफ किया गया। भाई का दावा है कि यह सिर्फ एक घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। धर्म परिवर्तन की मुहिम चलाई जा रही है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। छात्राओं को आगे करके जबरन है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई साहूकुंज कॉलोनी के लोगों ने भी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चिंता जताई पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जाएगी। उधर, है। कॉलोनीवासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर संबंधित कोचिंग सेंटर में छात्र-छात्राओं के आचरण को लेकर शिकायत की। लोगों का आरोप है कि छात्र आपस में लड़ने के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं। कॉलोनीवासियों ने किसी बड़ी घटना की आशंका जताते हुए प्रशासन से समय रहते सख्त कदम उठाने और कोचिंग सेंटर की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है। यह था मामला- पांच छात्राओं के खिलाफ केस दर्ज - वीडियो वायरल होने के बाद पांच मुस्लिम छात्राओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। छात्रा के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन पर धर्म परिवर्तन के लिए भी दबाव बनाया गया था। पुलिस ने भी इस मामले में पड़ताल शुरू कर दी है। बिलारी की साहू कुंज कॉलोनी स्थित एक कोचिंग सेंटर में लारी नगर और देहात क्षेत्र के छात्र छात्राएं पढ़ते हैं। सहसपुर गांव के इंटर कॉलेज की छह छात्राएं भी इस कोचिंग सेंटर में पढ़ने के लिए आती हैं। जिनमें एक छात्रा हिंदू और पांच मुस्लिम हैं। बिलारी के एक मोहल्ले में रहने वाली छात्रा के भाई ने उसकी पांच सहपाठी छात्राओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें उसने आरोप लगाया है कि उसकी 17 वर्षीय बहन बारहवीं कक्षा की छात्रा है। वह रोज कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती है। वहां उसकी सहपाठी छात्राएं उस पर बुर्का पहनने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाती हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पांच छात्राओं के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म सहपरिर्वतन प्रतिषेध अधिनियम धारा 3, (5)1 में रिपोर्ट दर्ज की गई है। विवेचना में तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एक सप्ताह पहले सामने आया था वीडियो- इस घटना से जुड़ा वीडियो करीब एक सप्ताह पहले सामने आया था। जिसमें कोचिंग सेंटर से निकलकर छात्राएं एक साथ जा रहीं थी। तब एक छात्रा ने अपनी सहपाठी छात्रा को अपना बुर्का पहना दिया था हालांकि कुछ देर बाद ही बुर्का निकलवाकर वापस ले लिया था। इसी दौरान किसी ने वीडियो बना लिया जो वायरल हो गया। अब जब वीडियो तेजी से वायरल हुआ तो हल्ला मचा और पुलिस ने भी संज्ञान ले लिया। कोचिंग सेंटरों के खिलाफ लोगों ने एसडीएम को दिया था ज्ञापन- बिलारी नगर के मोहल्ला साहू कुंज कॉलोनी के कोचिंग सेंटरों के संचालन के खिलाफ मोहल्ले के नागरिकों ने सप्ताह भर पहले एसडीएम और सीओ को ज्ञापन भी दिया था। ज्ञापन में कहा गया था कि उनके मोहल्ले में नियम के खिलाफ तरीके से कई कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। कोचिंग सेंटरो के संचालन की नियमानुसार अनुमति नहीं ली गई है। कोचिंग सेंटरों पर आने वाले छात्र छात्राएं अक्सर मोहल्ले के रास्तों पर आते जाते समय अभद्रता भी करते हैं। एसडीएम ने इस मामले में बिलारी पुलिस को जांच करने के आदेश भी दिए थे।

2027 से पहले भाजपा... सपा और कांग्रेस में छिड़ी लड़ाई, तीनों ही पार्टियों में आपसी खींचतान, संगठन में दरार

मुरादाबाद में 2027 से पहले भाजपा, सपा और कांग्रेस में 19-20 की लड़ाई छिड़ी है। पार्टी हाईकमान के निर्देशों का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। तीनों ही पार्टियों में आपसी खींचतान तेज हो गई है।2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दल अपनों में छिड़ी 19-20 की लड़ाई से जूझ रहे हैं। खुद को एक दूसरे से ऊपर रखने की होड़ में शामिल नेताओं ने गुट तक बना लिए हैं। लोकसभा और विधानसभा के टिकट को लेकर शुरू हुई आपसी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। इन नेताओं के सियासी विवाद की चर्चाएं लखनऊ से दिल्ली तक चर्चाओं में है। खास बात यह है कि इस खींचतान को लेकर पार्टी हाईकमान से निर्देश तक जारी हो चुके लेकिन सियासी लड़ाई है कि थमने का नाम ही नहीं ले रही। एसआईआर अभियान के जरिये राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी शुरू कर दी है। सभी दल वोट बनवाने के साथ-साथ नए वोट जोड़ने में जुटे हैं। इसके लिए कमेटियां गठित की गई हैं। इन तैयारियों के बीच राजनीतिक दल अपने नेताओं की आपसी लड़ाई से जूझ रहे हैं। मुरादाबाद में भाजपा में कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह के बीच चल रही सियासी खींचतान को रामवीर सिंह ने जिला पंचायत के टेंडर में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर फिर से हवा दे दी है। वहीं, सपा में सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन के बीच जुबानी जंग जारी है। ऐसे ही अमरोहा से लोकसभा टिकट की दावेदारी को लेकर सामने आए कांग्रेस के पूर्व सांसद दानिश अली और पूर्व प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी के बीच विवाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बना रहा। पंचायत चुनाव से हुई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की शुरुआत- मुरादाबाद के कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की शुरुआत 2015 में पंचायत चुनाव से हुई थी। जो अब तक जारी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में डॉ. शैफाली सिंह ने भी कुंदरकी सीट से टिकट की दावेदारी पेश की थी लेकिन टिकट रामवीर सिंह के हाथ लगा। हालांकि उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 2011 के पंचायत चुनाव में वार्ड 21 से डॉ. शैफाली सिंह और वार्ड 31 से रामवीर सिंह की पत्नी संतोष देवी जिला पंचायत सदस्य बनीं। दोनों ने जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश की थी। लेकिन यहां टिकट डॉ. शैफाली सिंह के हाथ लगा। पिछले साल जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में दोनों के बीच हुई नोकझोंक मीडिया की सुर्खियां बनी थी। हाल ही में विधायक रामवीर सिंह ने जिला पंचायत के ठेके में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर डॉ. शैफाली सिंह पर निशाना साधने की कोशिश की।एक दूसरे पर सियासी वार का कोई मौका नहीं छोड़ते सपा सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन एक दूसरे पर सियासी वार का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। दोनों के बीच विवाद की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनाव से हुई थ । 2024 के चुनाव में नामांकन के बाद डॉ. एसटी हसन का टिकट काटकर सपा ने रुचिवीरा को उम्मीदवार बना दिया था। इससे नाराज पूर्व सांसद ने चुनाव से दूरी बना ली थी। इसके बाद कई मौके आ चुके हैं जब दोनों एक-दूसरे के खिलाफ खुलकर सामने आए। ताजा प्रकरण बेटी की शादी में पूर्व सांसद द्वारा भाजपा नेताओं को बुलाने का है। जिसे लेकर दोनों के बीच जुबानी जंग चली। बयानबाजी बढ़ने पर पार्टी को गाइडलाइन तक जारी करनी पड़ी। कांग्रेस में चर्चा का विषय रहा दानिश अली-सचिन चौधरी की रार लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारी की दावेदारी से शुरू हुई कांग्रेस नेता सचिन चौधरी और पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली के बीच की रार अब भी बरकरार है। एक प्रेसवार्ता में दानिश अली ने किसी सवाल के जवाब में सचिन को पहचानने से इन्कार कर दिया था। इसके जवाब में सचिन ने एक वीडियो वायरल कर पूर्व सांसद पर तीखा प्रहार किया था। इसके बाद दोनों के बीच चली जुबानी जंग पार्टी में चर्चा का विष्य बनी रही। इस बीच सचिन की पत्नी आभा चौधरी की ओर से फेसबुक पर की गई पोस्ट के बाद पूर्व सांसद को जान से मारने की धमकी दी गई थी। बाद में पार्टी की ओर से सचिन चौधरी से स्पष्टीकरण तलब किया गया था। पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली और सचिन चौधरी के बीच हुए विवाद की जानकारी प्रदेश नेतृत्व को तीन माह पहले लिखित रूप से भेजी थी। वरिष्ठ नेताओं को भी अवगत कराया है। दोनों पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। विवाद के कारण कोई कार्यकर्ता साथ रहने में भयभीत होता है। एक नेता के साथ जाने पर दूसरा नाराज होता है। इसका पार्टी पर असर भी पड़ता है। - विनोद गुंबर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पार्टी के फोरम पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह और कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह के बीच कोई विवाद सामने नहीं आया है। बोर्ड की बैठक पार्टी से अलग होती है। बोर्ड बैठक में कार्यों को लेकर दोनों नेताओं ने आपस में बहस की होगी। इस प्रकार के मामलों में वह दखल नहीं देते हैं। पार्टी स्तर पर दोनों नेताओं ने विवाद नहीं किया है। - आकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी में नेताओं का आपस में कोई विवाद नहीं है। सभी नेता 2027 की तैयारी में जुटे हैं। पार्टी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह बैनर पोस्टर पर सांसदों और विधायकों के फोटो जरूर लगाएं। किसी तरह की बयानबाजी से बचें। - जयवीर सिंह, सपा जिलाध्यक्ष

इस बार होली-रमजान साथ, अब यह संजोग होगा 31 साल बाद; इस्लामिक कैलेंडर में 33 साल में मौसमी चक्र

इस बार होली और रमजान साथ-साथ होंगे। लगातार तीसरे साल मुकद्दस रमजान के बीच होली मनाई जाएगी। अब यह संजोग 31 साल बाद होगा।इस साल लगातार तीसरी बार मुकद्दस रमजान के बीच होली का उत्सव मनाया जाएगा। अबीर गुलाल उड़ेगा। इसके बाद यह संयोग 31 साल बाद आएगा जब होली का त्योहार रमजान के महीने में मनेगा। 2026 के बाद ऐसा मौका 2057 में ही दोबारा मिलेगा।इस्लामिक कैलेंडर 33 साल में एक मौसमी चक्र को पूरा करता है। इसमें सर्दी, गर्मी और बारिश तीनों मौसम होते हैं। इस तरह 33 साल की अवधि में इस्लामिक त्योहार सभी मौसम से होकर गुजरते हैं। इस साल रमजान की शुरुआत 17 फरवरी से होने की उम्मीद है। यह मौका करीब 22 साल बाद आएगा जब मुकद्दस रमजान का आगाज सर्दी के मौसम में होगा। यह स्थिति 11 साल तक बनेगी रहेगी। इसके बाद रमजान का महीना फिर बारिश और गर्मी के बीच पहुंच जाएगा। इस साल एक संयोग और बन रहा है। लगातार तीसरी बार रमजान के बीच रंगों का उत्सव मनाया जाएगा। लेकिन इसके बाद इस मौके लिए 31 साल इंतजार करना पड़ेगा। वर्ष 2026 के बाद 2057 में यह संयोग दोबारा बनेगा जब माह-ए-रमजान में एक ओर जहां मुस्लिम समुदाय खुदा की इबादत करेंगा। वहीं दूसरी ओर इसी इबादत के महीने में हिंदू समुदाय अबीर गुलाल उड़ाकर रंगों का उत्सव मनाएगा। दो साल लगातार रमजान के बीच मनेगी होली 2057 और 2058 में दो साल लगातार माह-ए-रमजान में रंगों का उत्सव मनाया जाएगा। 2057 में रमजान के महीने की अनुमानित अवधि 4 मार्च से 5 अप्रैल की बीच है। ऐसे ही 2058 में रमजान की अवधि 22 फरवरी से 25 मार्च के बीच है। 2057 में होली 20 मार्च और 2058 में नौ मार्च को होली मनाई जाएगी। 33 साल में एक मौसमी चक्र को पूरा करता है इस्लामिक कैलेंडर मदरसा अरबिया इमदादिया के मोहतमिम एवं शेखुल हदीस मोहम्मद असजद कासमी बताते हैं कि रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना है। रमजान की तारीखें इस्लामी कैलेंडर से तय होती हैं। जो एक हिजरी चंद्र कैलेंडर है जिसमें 12 चंद्र महीने होते हैं। हर महीना अर्द्धचंद्र के दिखने के साथ शुरू होता है। चंद्र महीना 29 या 30 दिन का होता है, जिससे चंद्र वर्ष करीब 354 दिन का हो जाता है। ऐसे में सौर गणना आधारित ग्रेगोरियन वर्ष 10 से 12 दिन छोटा हो जाता है। इस अंतर के कारण रमजान हर साल ग्रोगोरियन कैलेंडर में पहले शुरू होता है और हर 33 साल में एक समय मौसमी चक्र को पूरा करता है।

वर्ष	रमजान की अवधि	होली की तारीख
2024	11 मार्च से 09 अप्रैल तक	25 मार्च
2025	02 मार्च से 31 मार्च तक	14 मार्च
2026	18 फरवरी से 19 मार्च तक	04 मार्च

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने ईवीएम. मशीनों की एफएलसी की तैयारी की जांच हेतु ईवीएम वेयर हाउस परसाखेड़ा का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह द्वारा निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में फरीदपुर विधान सभा से निर्वाचित विधायक श्री श्याम बिहारी के आकस्मिक निधन से रिक्त हुई सीट के लिए उप निर्वाचन हेतु जनपद बरेली में दिनांक 27 जनवरी 2026 से प्रारंभ होने वाली ई. वी. एम. मशीनों की एफ एल सी की तैयारी की जांच हेतु ई वी एम वेयर हाउस परसाखेड़ा का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा एफ एल सी हॉल एवं एफ एल सी ओके मशीनों हेतु प्रस्तावित स्ट्रांग रूम की खिड़कियों में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए तथा निर्देशित किया कि संपूर्ण वेयरहाउस की सुरक्षा में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरा द्वारा की जा रही निगरानी को स्वयं देखा तथा इस संबंध मे कुछ आवश्यक सुधार के भी निर्देश निर्वाचन विभाग के कर्मियों को दिए । उन्होंने निर्देशित किया कि एफ एल सी कार्य के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत SOP का प्रत्येक दशा में अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में एफ एल सी कार्य पूर्ण किया जाए।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को उक्त प्रक्रिया के अवलोकन हेतु निर्धारित मानकों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के समय उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह, जिले बरेली के ई वी एम प्रभारी एवं बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी पवन कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सर्दी के बाद वायरल से दिक्कत, ठीक होने में 10-15 दिन लग रहा

कड़ाके की ठंड के बाद तापमान अब धीरे धीरे बढ़ रहा है। इससे वायरल बुखार, जुकाम और शरीर में दर्द से पीड़ित मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। बुखार ठीक होने पर लंबे समय तक शरीर में दर्द, थकान और कमजोरी की समस्या हो रही है। जिससे पूरी तरह स्वस्थ होने में 10 से 15 दिन का समय लग रहा है।जिला अस्पताल में मेडिसिन विभाग की ओपीडी में जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि कई बार बुखार ठीक होने के बाद भ्ती शरीर के अंदर एलर्जी, सूजन और कमजोरी बनी रहती है। मांसपेशियों में दर्द, थकान और खांसी होती है। यह स्थिति सामान्य है, धीरे-धीरे ठीक होती है। लेकिन कई मरीज इसे नजरअंदाज कर जल्द ही सामान्य दिनचर्या अपना लेते हैं। जिससे शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ने से रिकवरी धीमी हो जाती है। कई मरीजों को दोबारा बुखार हो रहा है। जबकि रिकवरी के दौरान मरीजों को 7-8 घंटे की नींद लेने के साथ दिन में भी आराम करना चाहिए। भोजन हल्का और सुपाच्य ग्रहण करें। पानी, नींबू पानी, नारियल पानी, सूप व अन्य तरल पदार्थ का सेवन अधिक लाभकारी है। हल्का व्यायाम या टहलना तभी शुरू करें जब कमजोरी न महसूस हो। उन्होंने बताया कि ऐसी समस्या से ग्रस्त 30 से अधिक मरीज हर दिन आ रहे हैं। जिसमें कई ऐसे मरीज हैं जो बिना डॉक्टर के परामर्श के दर्द निवारक दवा ले रहे हैं। यह आदत नुकसान दे सकती है। क्योंकि दर्द निवारक दवाएं लिवर और गुर्दे पर असर डालती हैं। ऐसे रखें अपना ख्याल- - बुखार होने पर खुद दवा लेकर सेवन न करें, डॉक्टर की सलाह पर ही एंटीबायोटिक लें। - शरीर में पानी की कमी न होने दें। - बुखार ठीक होने के बाद शरीर को आराम दें, पर्याप्त नींद लें। - संतुलित आहार लें, फास्ट फूड के सेवन से बचें।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्वच्छता सर्वेक्षण...सफाई ही नहीं, व्यवहार और अनुशासन भी मायने रखेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम ने तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। केंद्रीय टीम के 26 जनवरी के बाद किसी भी दिन शहर में पहुंचने की संभावना के चलते निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर है, ताकि शहर स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित दिखे। वहीं, इस पर सर्वेक्षण में केवल सफाई और कूड़ा उठान को आधार नहीं माना जाएगा, बल्कि व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक स्थल पर पान-गुटखा की पीक और खुले में पेशाब-पानी के दाग पर भी निगरानी रखी जाएगी, गंदगी के फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग होगी,

जिनके आधार पर शहर को अंक दिए जाएंगे या काटे जाएंगे। हालांकि निगम का दावा है इस बार केवल औपचारिक तैयारियों तक सीमित न रहकर स्थायी सुधारों पर भी फोकस है, ताकि सर्वेक्षण के साथ-साथ आमजन को भी स्वच्छ वातावरण का लाभ मिल सके।

पति ने पत्नी को छत से नीचे फेंका खुद फंदा लगाकर जान दी आए दिन करता था पिटाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मीरगंज में कहासुनी पर युवक ने पत्नी को डंडों से पीटकर छत से नीचे फेंक दिया। पड़ोस के लोग महिला को गंभीर हालत में सीएचसी ले गए, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसी दौरान पति ने कमरे में कुंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। चुरई दलपतपुर निवासी रुस्तम अली (40) का किसी बात को लेकर शनिवार सुबह पत्नी रूबी से विवाद हो गया। कहासुनी पर रुस्तम ने छत पर बैठी पत्नी को पहले तो डंडे से पीटा फिर छत से नीचे फेंक दिया। इसके बाद रुस्तम ने छत से ईंट फेंककर भी रूबी को मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी और महिला को जिला अस्पताल ले गए। पत्नी के जाने के बाद रुस्तम ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसने छत पर लगे कुंदे में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़ कर रुस्तम को बाहर निकाला। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं,घायल रूबी को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सभासद सरफराज अली ने बताया कि रूबी के पिता साबिर अली को काफी दिनों पहले पैरालाइसिस हो गया था। तभी से वहबिस्तर पर पड़े हैं। गुरुवार को उनके परिजन साबिर को इलाज के लिए सहारनपुर ले गए हैं। परिजनों ने सहारनपुर में उनको अस्पताल में भर्ती कराया है। रुस्तम के पिता रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। उन्होंने उसे अलग मकान बनाकर दिया है। पिता ही रुस्तम को खर्चे के लिए पैसे देते थे। प्रभारी निरीक्षक मीरगंज संजय तोमर ने बताया कि 112 नंबर पर चुरई दलपतपुर के रुस्तम अली की पत्नी रूबी के साथ मारपीट की सूचना मिली थी। रूबी के सिर में चोट आने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए। उसी दौरान रुस्तम ने घर के कमरे को बंद कर फांसी लगा ली। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर रुस्तम अली को फंदे से नीचे उतारा। उसकी सांसें चल रही थीं तो सीएचसी मीरगंज ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

जल्द हटेंगे अवैध कब्जे, 26 जनवरी के बाद नगर निगम शुरू करेगा कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बढ़ते यातायात का दबाव कम करने के लिए रामपुर रोड के चौड़ीकरण का काम प्रस्तावित है। नगर निगम की भूमि पर लोगों ने अवैध कब्जे कर उस पर दुकान व मकान तक बना लिए हैं।

बीते दिनों मिनी बाइपास से खलीलपुर रोड तक टीम ने नाप-जोख कराने के बाद अवैध कब्जों पर लाल निशान लगा दिए थे। झुमका चौराहा तक अभी नाप-जोख का काम रह गया है, जो 26 जनवरी के बाद होगा।मिनी बाइपास से लेकर झुमका चौराहे तक रोड का दोनों ओर चौड़ीकरण होना है। यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए निगम यह काम कराएगा। सड़क चौड़ा होने के बाद चंद मिनटों में ही झुमका तक का सफर पूरा हो जाएगा। दो जनवरी को दर्जनों कब्जेदारों को नोटिस दिए गए थे। एक्सईएन राजीव राठी ने बताया कि कुछ लोगों ने जवाब दिए हैं अब उस पर जांच कराई जाएगी। झुमका तक अभी रोड की नाप-जोख के लिए कुछ हिस्सा रह गया है, जल्द ही वहां भी नाप-जोख कर लाल निशान लगाए जाएंगे।

रामपुर के प्रख्यात शायर ताहिर फ़राज का निधन 2012 में बरेली भी आए थे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामपुर के प्रख्यात शायर ताहिर फ़राज का 72 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। उनके निधन से काव्य जगत और प्रशंसकों में शोक की लहर है। बदायूं में जन्मे ताहिर फ़राज़ अपनी मधुर आवाज़, कोमल भावों और आध्यात्मिक कविताओं के लिए जाने जाते थे। वे 2012 में बरेली कालेज मुशायरे में आए थे। यह मुशायरा समाज सेवी आविद अली खां और लोटा मुरादाबादी ने कराया था। इस कार्यक्रम में ताहिर फ़राज ने मुशायरे की रौनक बढ़ा दी।इसस मुशायरे में देश के नामचीन शायरों ने भी शिरकत की थी।ताहिर फ़राज ने कम उम्र में ही शायरी शुरू की और ग़ज़ल, भजन आदि में विशिष्ट शैली से श्रोताओं के दिलों पर राज किया। उनका अंतिम संस्कार मुंबई में होगा।अदब के मशहूर नाम और मंच के मक़बूर शायर ताहिर फ़राज़ का निधन हो गया है। उर्दू शायरी के संसार में ताहिर फ़राज़ का नाम एक ऐसी आवाज़ के तौर पर याद किया जाएगा, जिसने ऊँची आवाज़ के बजाय ठहराव और संवेदना को चुना। उनकी शायरी में मोहब्बत, दर्द और इंसानी रिश्तों की नर्म परछाइयाँ साफ़ दिखाई देती हैं। ताहिर फ़राज़ उन शायरों में थे जिनकी पंक्तियाँ मंच से ज़्यादा दिलों में जगह बनाती थीं। उनके अशआर आम पाठक की ज़िंदगी से सीधे संवाद करते हैं। उर्दू साहित्य में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक प्रेरित करता रहेगा।

पुलिस बूथ से 100 मीटर दूर: तीन बदमाशों ने शराब के ठेके से लूटे 34500 रुपये, एसएसपी-एसपी ने की जांच-पड़ताल

इसी शराब ठेके के बाहर रखे तारकोल के 22 ड्रम 31 दिसंबर की भोर पहर के चोरी हो गए थे, जिसमें 10 ड्रम तारकोल से भरे हुए थे।हरदुआगंज थाना क्षेत्र की बुढ़ासी पुलिस बूथ से सौ मीटर की दूरी पर स्थित अंग्रेजी व बीयर के कंपोजिट 34500 रुपए लूट लिए। सरेशाम तमंचे और पर पहुंचे एसएसपी व एसपी देहात ने सेल्समैन की चित्रांजलि कॉलोनी निवासी विशांत चौधरी बीयर व अंग्रेजी शराब का ठेका है जिसकी वह स्वयं हैं। बताया कि 25 जनवरी शाम यादव व हरिनाम मौजूद थे। जैसे ही योगेश दरवाजा खुला देख अंदर घुस गए और तमंचा योगेश वापस आ गया तो हाथापाई भी हुई, गल्ले में रखे 34500 रुपए लेकर तीनों बदमाश ओर फरार हो गए। सूचना पाकर सीओ राजीव पहुंचकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराया अमृत जैन भी मौके पर पहुंचे और सेल्समैन टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीओ लगी सीसीटीवी की डीवीआर को कब्जे में खुलासा किया जाएगा। बाइक दूर खड़ी कर

शराब ठेके से बाइक सवार तीन बदमाशों ने चाकू के बल पर हुई लूट की घटना के बाद मौके से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली है।अलीगढ़ ने बताया कि बुढ़ासी में साधू आश्रम रोड पर अनुज्ञापी परिवार की सुमित्रा देवी और संचालक सवा छह बजे करीब ठेके पर सेल्समैन योगेश यादव लघुशंका करने निकले तभी तीन लड़के व चाकू दिखाकर रुपए छीनने लगे, इसी दौरान लेकिन चाकू और तमंचा तानने पर वह डर गए, कुछ दूर पैदल जाने के बाद बाइक से पनेठी की द्विवेदी और थानाध्यक्ष कुलवीर सिंह ने मौके पर जिसके बाद एसएसपी नीरज जादौन, एसपी देहात से पूछताछ के बाद बदमाशों को पकड़ने के लिए अतरौली राजीव द्विवेदी ने बताया कि ठेके पर लेकर जांच की जा रही है, घटना का जल्द प्लानिंग से दिया घटना को अंजाम लुटेरे शराब ठेके के वीडियो सर्विलांस से परिचित रहे होंगे, यही कारण था कि बाइक को ठेके से आगे पनेठी की ओर कुछ दूर आगे खड़ी करके ठेके पर पहुंचे, जहां ठेके का दरवाजा खुलने का इंतजार किया, जैसे ही सेल्समैन योगेश लघुशंका को निकला, तीनों बदमाश अन्दर घुस गए। जिसके बाद लूट करके बुढ़ासी पुलिस बूथ जिसे अस्थाई पुलिस चौकी भी माना जाता है, उसके आगे से बेधड़क होकर भाग गए।25 दिन पहले तारकोल के 22 ड्रम हुए थे चोरी इसी शराब ठेके के बाहर रखे तारकोल के 22 ड्रम 31 दिसंबर की भोर पहर के चोरी हो गए थे, जिसमें 10 ड्रम तारकोल से भरे हुए थे। इस मामले में अजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह निवासी नाथा बाजिदपुर थाना रोरावर ने तहरीर भी दी थी, लेकिन घटना का आज तक खुलासा नहीं हो सका है।

अखिलेश बोले: जनता 2027 में भाजपा को देगी करारा जवाब, शंकराचार्य पर अमर्यादित रहा है भाजपा का व्यवहार

सपा मुख्यालय में आयोजित बैठक के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने दावा किया कि 2027 में पार्टी का प्रदर्शन 2024 के लोकसभा चुनाव से भी बेहतर होगा।सपा ने विधानसभा चुनाव तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कैराना सांसद इकरा हसन समेत क्षेत्र के प्रमुख नेताओं के साथ चुनावी रणनीति पर मंथन किया। बैठक में क्षेत्रीय चुनावी समीकरण, एसआईआर की प्रगति और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान पूर्व सांसद तबस्सुम हसन भी विशेष रूप से मौजूद रहीं।

सपा मुख्यालय में आयोजित बैठक के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने दावा किया कि 2027 में पार्टी का प्रदर्शन 2024 के लोकसभा चुनाव से भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भाजपा की चालाकी को परास्त करने की ताकत जनता के पास है और प्रदेश की जनता भाजपा से मुक्ति चाहती है। उन्होंने पीडीए गठबंधन को मजबूत बताते हुए कहा कि जनता पीडीए की सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।अखिलेश ने एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके बहाने एनआरसी लागू करने की साजिश की जा रही है, लेकिन अब लोग सतर्क हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है, जबकि सपा सद्भाव और विकास की राजनीति पर भरोसा रखती है। शंकराचार्य से जुड़े मामले पर अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया अमानवीय और अमर्यादित है। शंकराचार्य का सम्मान होना चाहिए, लेकिन जो सरकार खुद को सनातनी बताती है, वही सरकार सनातन धर्म और साधु-संतों का अपमान कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी और 2027 में भाजपा को इसका करारा जवाब देगी।

विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने पिछोर उपजेल का किया निरीक्षण, कैदियों की सुविधा के लिये किया फ्रिजर तथा पंखों का वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा 25 जनवरी रविवार को उपजेल पिछोर का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने विधायक निधि से फ्रिजर तथा आठ पंखों को मौके पर वितरण किया। पिछोर विधायक द्वारा उपजेल पहुंचकर कैदियों से चर्चा की एवं उनकी समस्याओं को सुना और जो समस्यायें निराकरण लायक थी उन्हें निराकरण करने का आश्वासन दिया।

विधायक द्वारा बताया गया कि हमसे जो अपराध होता है उसके लिए इससे अच्छी पश्चाताप की कोई जगह नहीं है, यहां बैठकर हम अपनी गलतियों को सुधार भी सकते हैं

और पश्चाताप भी कर सकते हैं, तो हमें भगवान भी माफ कर सकता हैं। उन्होंने कहा कि इसमें 25 प्रतिशत लोगों ने अपराध किया होगा तथा शेष लोग इसमें निर्दोष भी हो सकतें है, जैसे परिवार में एक व्यक्ति ने मर्डर किया लेकिन नाम सभी का लिखबा देते है और उन्हें झूठे केस में फंसा कर जेल भेज दिया जाता है, लेकिन ईश्वर उनके साथ होता है और वही उनका सहयोग करता हैं। आप लोग जितना भी समय इस जेल में रहते है अच्छी सोच एवं अच्छी विचारधारा के साथ रहकर अपना समय निकालें। उन्होंने कहा हम आपकी बेहतर सुविधा के लिए आज एक फ्रिजर तथा कमरों के लिए पंखों की व्यवस्था कर रहे है, इसके साथ ही यहां पानी की समस्या के लिए भी बोरिंग की व्यवस्था करेंगे एवं आप लोगों से जो मिलने परिवार के लोग आते हैं उनके लिए बैठने की व्यवस्था हेतु एक छोटा सा विश्राम गृह बनाएंगे जिसमें शौचालय, बाथरूम एवं बैठने की समुचित व्यवस्था होगी। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुकेश पंसारी, जेलर अमरनाथ कटियार, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर संजीव वर्मा सहित जेल कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

डीसीपी क्राइम बोल रहा हूं... अश्लील वीडियो देखते हो कहकर ठगने वाले तीन गिरफ्तार

सचेंडी पुलिस के हत्थे चढ़े तीनों आरोपियों ने लोगों को धमकाकर लाखों की रकम ठगी थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल, एटीएम, सिम और कूटरचित आधार बरामद किए।

मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर धमकाने वाले तीन साइबर ठगों को सचेंडी पुलिस और साइबर क्राइम टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी खुद को डीसीपी क्राइम या क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बताकर लोगों से वसूली कर रहे थे। आरोपियों के कब्जे से कई मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, 17 सिम कार्ड और कूटरचित आधार कार्ड बरामद हुए हैं।पुलिस कार्यालय के सभागार में रविवार को हुई प्रेस वार्ता में डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र के बलरामपुर का अरविंद सिंह, सचेंडी का अनुराग सिंह और विकास सिंह शामिल हैं। अरविंद व अनुराग स्नातक पास हैं जबकि विकास पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा है। सभी को सचेंडी के भौमेश्वर इलाके से पकड़ा गया है। इनके खिलाफ पहले भी साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। आरोपियों को रविवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने कई लोगों को 7523801201 व अन्य मोबाइल नंबरों से फोन किया था। खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी या इंस्पेक्टर बताकर मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखने पर गिरफ्तारी करने की धमकी देते। गिरफ्तारी और जेल जाने के डर से लोग उनके झांसे में आ जाते। आरोपी यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंक खातों के जरिये रुपये वसूल कर लेते। आरोपियों ने पीड़ितों से उनकी हैसियत के हिसाब से हजारों लाखों रुपये ठगे हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के बाद ठगी से जुड़े विभिन्न बैंक खातों में करीब आठ लाख रुपये की रकम होल्ड कराई है। इन आरोपियों के खिलाफ बीते दिनों गौतमबुद्धनगर की पलक श्रीवास्तव, लखनऊ के रमेश कश्यप, देहरादून के कुलदीप कमल, यूपी से जाहिद हुसैन, दिल्ली से महक शाहदर, महाराष्ट्र से नेहा निंबो, वाराणसी से शिवानी गौड़, राजस्थान से मुस्कान सेन और गाजियाबाद से पवन चौहान ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। खेतों में या पानी की टंकियों पर चढ़कर करते हैं कॉल

पुलिस के अनुसार शातिर गांव में खेतों में पेड़ों पर बैठकर या पानी की टंकियों पर चढ़कर ठगी के लिए कॉल करते हैं। इसके पीछे इनकी मंशा यह होती है कि अगर कोई संदिग्ध या पुलिसकर्मी इनके पास आएगा तो यह फोन तोड़कर फेंक दें। उनके पकड़े जाने पर सबूत मिलने की गुंजाइश नहीं रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

कोडीन कफ सिरप मामले में 50 हजार का इनामी विनोद अग्रवाल गिरफ्तार, पुलिस ने जारी किया था लुक आउट नोटिस

क्राइम ब्रांच और थाना कलक्टरगंज पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ा। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से फरार था।प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप मामले के 12 मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक विनोद अग्रवाल को क्राइम ब्रांच व थाना कलक्टरगंज पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे रविवार को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले से पकड़ा गया है। उस पर 50 हजार का इनाम था। फीलखाना थाना क्षेत्र के पटकापुर निवासी विनोद अग्रवाल मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स का संचालक है। उस पर 65 से ज्यादा फर्जी फर्म बनाकर यूपी हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान समेत 12 राज्यों में प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने का आरोप है। खाद्य आयुक्त की चार टीमों ने बिरहाना रोड स्थित उसकी दुकान और कोपरगंज स्थित गोदाम में छापा मारकर करोड़ों रुपये का कोडीन युक्त कफ सिरप और ट्रामाडोल टैबलेट्स जब्त की थीं।जांच से पता चला कि आरोपी औषधि लाइसेंस की आड़ में एनडीपीएस श्रेणी से संबंधित दवाओं की लंबे समय से बिक्री कर रहा था। इसके बाद औषधि निरीक्षक ने कलक्टरगंज थाने में आरोपी विनोद और उसके बेटे शिवम अग्रवाल आदि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उनकी फर्म के पास बिक्री और वितरण से जुड़े साक्ष्य नहीं मिले थे। इसके बाद 12 नवंबर से आरोपी पिता-पुत्र भूमिगत हो गए थे। तीन जनवरी को हरियाणा में कारोबारी साझेदार के घर वाईफाई से व्हाट्सएप चलाया था। तभी क्राइम ब्रांच को उसके वहां होने का सुराग मिला। टीम पहुंचने से पहले उसने ठिकाना बदल लिया पर टीम ने जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया।पहले थाना पुलिस अब एसआईटी कर रही जांच करीब दो माह पहले एक के बाद एक कई मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित दवाएं मिलने के बाद औषधि निरीक्षकों ने कलक्टरगंज थाने में चार, रायपुरवा, कल्याणपुर, हनुमंत विहार थाने में एक-एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इनमें अनमोल गुप्ता, मंजू शर्मा, अभिषेक शर्मा व वेद प्रकाश शिवहरे और सुमित केसरवानी आदि को आरोपी बनाया गया। पहले मामले की विवेचना थाना स्तर पर हो रही थी। इसके बाद एसआईटी का गठन किया गया और विवेचना क्राइम ब्रांच को स्थानांतरित कर दी गई थी। इसके बाद से क्राइम ब्रांच आरोपी की तलाश में जुट गई थी। कलक्टरगंज थानाध्यक्ष विनय तिवारी ने बताया कि आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा। विनोद अग्रवाल को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल से गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की भी तलाश में टीमें लगी हैं। - श्रवण कुमार सिंह, डीसीपी क्राइम

बड़ा हादसा: पिकअप से टकराई कार, दंपती समेत तीन की मौत; बर्थडे पार्टी में जा रहा था परिवार

टक्कर इतनी भीषण थी कि एक कार सवार वाहन में फंस गया, जिसे निकालने के लिए पुलिस और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तीन कार सवारों को मृत घोषित कर दिया।यूपी थाना क्षेत्र के विषधरवा टोला के पास कार और समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में कार उन्हें म्योरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती रॉबर्ट्सगंज जा रहे थे।इन लोगों की हुई मौत- निवासी संजय (60), सेवकामोड़ निवासी रूप में हुई है। पिकअप चालक बड़होर निवासी घायल हो गए। ड्राइवर बोला- बर्थडे में जा रहे चार लोग सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक सेवकामोड़ निवासी प्रभु (45) भी गंभीर लोग कार से रॉबर्ट्सगंज एक बर्थडे पार्टी में शामिल तफरी मच गई। एक कार में ही फंसा- टक्कर गया, जिसे निकालने के लिए पुलिस और ग्रामीणों पर डॉक्टरों ने तीन कार सवारों को मृत घोषित कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया गया है। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्हें कब्जे में लिया गया है।

के सोनभद्र स्थित मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर स्थानीय पिकअप की जोरदार टक्कर में कार सवार दंपती चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कराया। कार सवार एक बर्थडे पार्टी में शामिल होने हादसे में मृतकों की पहचान बीजपुर के चेतवा अखिलेश (65) उनकी पत्नी हीरामनी (58) के मुस्लिम (20) और बभनी निवासी गोविंद (35) थे- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार में चालक समेत कार सवार तीन की मौके पर ही मौत हो गई। रूप से घायल हो गया। चालक ने बताया कि सभी होने जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा- इतनी भीषण थी कि एक कार सवार वाहन में फंस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अस्पताल पहुंचने दिया। एसओ रामदरस राम ने बताया कि शवों का

Actress-turned-producer Meera Chopra has made a movie without dialogue, saying, "Money speaks."

Priyanka Chopra's cousin and a renowned actress in Hindi-South cinema, Meera Chopra, is now learning the ropes of business from her husband. She has created "Gandhi Talks." She spoke about her journey to film production and becoming a producer. Besides acting, Meera Chopra, who is also active in production, has produced the movie "Gandhi Talks." Meera Chopra embarks on a new journey in South cinema. Actress Meera Chopra, known for her roles in "Section 375" and "Safed," has now ventured into film production with the Tamil silent film "Gandhi Talks." The film will be released in theaters in Tamil, Hindi, Telugu, Malayalam, and Marathi. Meera, who has also produced a few web series, was interviewed exclusively about her new career, professional journey, and plans. When did the idea of ??entering production come to her mind? It's a well-considered decision. I've been working on this for the past two or three years. A production career has the potential to be long-lasting. I enjoy listening to stories, casting them, and all the other work involved in production. The journey from writing a story on paper to bringing it to the screen is quite interesting. I'm very happy that my new year has started in a new way. Your husband (Rakshit Kejriwal) is a businessman. What kind of support do you get from him? I couldn't have started this production house without him, as he has a very sharp business mind. It wasn't easy for me to start a production house and learn business and statistics. When a show or film is made, huge figures are involved. My husband not only encouraged me, but now I'm also learning the intricacies of business from him. Didn't it feel risky to make my first film without dialogue? Making a film without dialogue is a very bold decision in today's times. This film has a very good screenplay, pause, beauty, good music, and performances, just like earlier cinema. We've always said that art has no language. There are no dialogues in this one either. However, it features music by AR Rahman and five songs. The film's name is associated with Mahatma Gandhi, but what does it want to convey? The real meaning of the film 'Gandhi Talks' is about Gandhiji of today's times, who speaks, and that is money. The true meaning of the film is that money talks. Can every problem be solved with money? Can everything be bought with money? People often sacrifice their personal happiness to earn money. Everyone is chasing material happiness and pleasure; these themes are shown in the film from a different perspective.

Mardaani 3 actress Rani Mukerji celebrates 30 years, speaks on the 800 crore club and violent scenes

Rani Mukerji, celebrating 30 years in the film industry, discussed her journey, preparation for Mardaani 3, and her National Film Award. She shared her passion for acting, the love of her fans, and her daughter Adira's reaction. Mukerji also spoke about her experience after her father's death and becoming a mother. She also shared her thoughts on her character in 'Mardaani' and the challenges of women's lives. Rani Mukerji, celebrating 30 years in the industry, shared her thoughts on 'Mardaani 3' and the National Award. She spoke on the challenges of motherhood and women's empowerment. In 2025, Rani Mukerji received the National Film Award for 'Mrs. Chatterjee vs. Norway'. Now, she is ready to hit theaters with 'Mardaani 3'. Rani Mukerji, who made her acting debut in 1996, is completing 30 years in the industry this year. You have been working in the film industry for 30 years. What kept my passion for acting alive? My fans, who encouraged me by appreciating my work, are enough for an artist. This passion, each time, to bring them a character that inspires and delights them, has kept me going for so many years. You mentioned that when you received the National Film Award, your daughter Adira was watching the ceremony on TV with Karan Johar's children. What was her reaction when you showed her the award in person? She became emotional because she wanted to go with me, but protocol prevented children from taking her there. She says that whenever I receive a National Award for another film, she will come with me. Your career must have seen many ups and downs. What was the period that taught you? When my father passed away, it was a huge shock. After Dad's passing, it felt like the support I needed was gone. He taught me to keep moving forward in life. Then, when my child was born, I met a different Rani. Becoming a mother felt like I was someone else. Even while struggling with yourself, you learn so much about yourself. With life's turning points, changes also occur in our women's lives. When I was just a daughter, I had a different awe: "My father is here, he'll take care of everything." Then, after marriage, responsibility came, and after having a child, that changed even more. It's the same with "Mardaani 3." The crimes Shivani Shivaji Rai deals with in the film resonate with society as a woman, and that's why, as an actor, I bring those stories to the screen. Along with commercial films, you've also done non-commercial films like "Black" and "No One Killed Jessica." How has cinema influenced you? My dad was from Jhansi. When I went there with him during my childhood holidays, he would show me the streets there. I saw the Rani of Jhansi Fort as a child. I've heard the lines "Khub Ladi Mardani Woh To Jhansi Wali Rani Thi" many times. My father used to tell me stories about them, showing me the place where Rani Lakshmibai jumped off her horse. Those stories have stuck in my mind ever since. We Bengalis worship Goddess Durga and Goddess Kali; they are Shaktis who slay the demons. Therefore, stories related to Shakti have always fascinated me. Nowadays, the 800 crore club has emerged. Has the success of content become more dependent on business? My job is to connect with good stories and bring them to the audience. If they like it, they will make the film a hit. The effort is to make a good film. The violent scenes in this franchise are not as brutal as those depicted in today's films... This is subjective. As a filmmaker, everyone has the right to make their own films, because filmmaking is their artistic expression. How you choose to express it varies with each director and story. The Mardaani film franchise features violence when wrongdoing happens to girls, but the way it's portrayed is different. Our approach is different, but that doesn't mean those depicting violence are doing it right or wrong. When was the moment in life when you felt the need to be Mardaani? We women have to be Mardaani every day, in every situation—at home, outside, while traveling. Which of these four roles is the most difficult to be: an artist, a mother, a wife, and a daughter? Whenever we overemphasize one, the balance of the other is disrupted. Balancing all these responsibilities is challenging not just for me, but for any woman.

Untold truths about the teenage brain: Scientists have discovered 'hotspots' that alter thinking patterns.

A new and surprising discovery has emerged in the world of science regarding the adolescent brain. Until now, it was believed that during adolescence, the brain primarily removes old and weak connections. However, scientists at Kyushu University have changed this notion. These hotspots shape reasoning and decision-making. Disruptions in this process can increase the risk of schizophrenia. Scientists have discovered this using super-resolution microscopy. Scientists have discovered that the adolescent brain does more than simply remove old connections. During adolescence, it actively forms clusters of dense new synapses in specific parts of neurons. These clusters emerge only during adolescence and can help shape higher-level thinking. When this process is disrupted, it may play a role in conditions like schizophrenia. Adolescence is not only a crucial stage for social and physical development, it is also crucial for brain development. During this time, advanced mental abilities such as planning, reasoning, and decision-making continue to develop. Yet, scientists still lack a complete understanding of how the brain's complex networks take shape during this critical period. At the heart of brain development are synapses, the functional connections between neurons that allow information to flow through the brain. For decades, researchers believed that the number of synapses steadily increases during childhood and then decreases during adolescence. This idea led to the widely accepted theory that excessive "synaptic pruning," the process of removing weak or unused connections, may contribute to neuropsychiatric conditions. Schizophrenia, which can involve delusions, hallucinations, and disorganized thinking, is often linked to this mechanism. New research challenges an old theory: A team of scientists from Kyushu University has now discovered evidence that questions this long-held view. In a study published in Science Advances on January 14, researchers found that the adolescent brain doesn't just eliminate connections. Instead, it also forms dense clusters of synapses in specific parts of neurons during this developmental stage. "We didn't set out to study brain disorders," says Professor Takeshi Imai of the Faculty of Medical Sciences at Kyushu University. "After developing high-resolution tools for synaptic analysis in 2016, curiosity led us to study the cortex of rat brains," Imai said. Focusing on a crucial brain layer—the cortex is composed of six layers that together form highly complex neural circuits. Imai and his colleagues focused on neurons in layer 5, which collect information from multiple sources and send signals as the final output of the cortex. Because of this role, these neurons serve as a central control point for processing information in the brain. The team used SEDB2 to study these cells in detail. This tissue clearing agent, developed by Imai's team, was used alongside super-resolution microscopy. This combination allowed researchers to study transparent brain tissue and map dendritic spines across entire layer 5 neurons for the first time. A synapse hotspot emerging during adolescence The detailed mapping revealed an unexpected pattern. A specific portion of the dendrite had an unusually dense concentration of dendritic spines, which the researchers described as a "hotspot." The analysis showed that this hotspot is not present early in life and instead emerges during adolescence. To determine the timing of this change, the team tracked spine distribution across multiple stages of development.

Childhood vaccinations don't pose a risk of epilepsy, and the aluminum in vaccines is completely safe.

Every parent is always vigilant about their child's safety. Often, fears arise around vaccinations, wondering if they will have adverse effects on their child's health. Can vaccines cause serious problems like epilepsy? If you have such questions, this news brings great relief. Childhood vaccines have no link to epilepsy, and the aluminum in vaccines also poses no harm. CDC research allays parents' concerns. Parents often have many concerns about vaccines given to young children, but a recent major study has allayed these concerns. A new study led by the US Centers for Disease Control and Prevention (CDC) has made it clear that childhood vaccines are not linked to the risk of epilepsy. This important research has been published in the prestigious medical journal, The Journal of Pediatrics. Aluminum in vaccines also poses no risk. The most significant aspect of this study is that it thoroughly examined the aluminum used in vaccines. Aluminum salts are commonly used as adjuvants in vaccines, helping to enhance the body's immune response. People often worry about whether aluminum in vaccines could harm children's nervous systems. Researchers examined vaccine schedules and the amount of aluminum in them, measured in milligrams. The results show that aluminum does not increase the risk of neurological conditions like epilepsy. How was this research conducted? The team of researchers conducted this study in a very detailed manner. Children aged 1 to 4 years were included in this research. The study was divided into two groups: Group 1: 2,089 children with epilepsy. Group 2: 20,139 children without epilepsy were compared. The comparisons took into account factors such as age, gender, and healthcare location. Most children in the study were boys (54 percent) and most were between one and 23 months of age (69 percent). No 'high risk' after vaccines: At the end of the study, researchers found that children who followed the vaccination schedule had no increased risk of epilepsy. The team clarified that neither the regular vaccines nor the adjuvants used in them were associated with the risk of epilepsy. This study is reassuring for all parents who have concerns about the safety of vaccinations.

Can weakened immunity after menopause cause cervical cancer? A doctor answers

January is celebrated worldwide as "Cervical Cancer Awareness Month." Women often believe they don't need to see a gynecologist after menopause. They think that once their periods are over, their worries are over... But doctors disprove this notion. Let's explore this in detail. The most common cause of cervical cancer is the human papillomavirus. As we age, our immunity begins to decline. Negligence is a major factor in the increased risk of cancer after menopause. We often view menopause simply as "the cessation of periods," but in reality, it's much more than that for our bodies. It signals a major change in the body's defense system, the immune system. Dr. Kanika Batra Modi (Associate Director and Clinical Lead - Gynecology Onco, Max Super Speciality Hospital, Saket) says that as we age, our ability to fight disease slows down. This is scientifically known as "immunosenescence." Hormones and the Body's Changing Environment - After menopause, estrogen levels in the body begin to decline. This decline not only affects mood and bones, but also impacts women's private parts. Estrogen helps maintain an acidic and healthy vaginal pH. When estrogen levels decrease, the pH balance is disrupted, and the protective bacteria that protect the vagina begin to decline. This change is significant because this local system is part of the body's "frontline immunity." When this protective barrier weakens, it becomes difficult for the body to fend off infections like HPV. The Connection Between Cervical Cancer and Immunity - Cervical cancer is not a sudden disease. It's caused by the long-term presence of high-risk human papillomavirus (HPV) in the body. Our immune system usually eliminates this virus on its own. The problem begins when the virus doesn't clear up and remains in the body for years, increasing the risk of cancer later on (Link Between Menopause and Immunity). This is where immunity plays a crucial role. If immunity is weakened—such as due to HIV, organ transplantation, or medications for autoimmune diseases—the HPV virus is more likely to persist in the body. Menopause doesn't directly cause cancer, but aging and hormonal changes can weaken the body's surveillance system, allowing old infections to flourish. Reawakening of old infections—an important thing every woman should know: It's possible that an HPV infection occurred in youth and remained dormant for years. As immunity weakens with age, the virus can reactivate. Therefore, this is not meant to scare you, but to alert you. What should women do after menopause? 1. Don't stop screening: Just because your periods have stopped doesn't mean you should stop getting tested. Pap smears and HPV tests can detect cancer long before it develops. Based on your age and previous reports, consult your doctor about when you should get tested. 2. Don't ignore symptoms: Bleeding after menopause, persistent discharge, pelvic pain, or pain during intercourse—never ignore these signs. It's not necessarily cancer, but it's essential to get tested. 3. Take care of your immunity and health: Keep diabetes under control, avoid blood and vitamin deficiencies, get good sleep, and stay active. Avoid smoking completely, as it helps the HPV virus persist in the body. Cervical cancer is one of the few cancers that is completely preventable. Menopause should be a reminder to not neglect our health. Timely screening, monitoring symptoms, and a healthy lifestyle are the best defenses. Also, encourage children in your family to get the HPV vaccine, as prevention should begin in childhood.

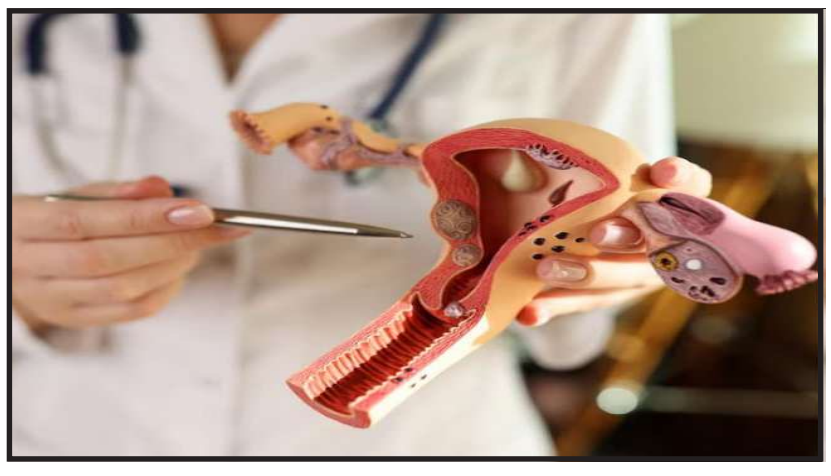

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गो संरक्षण केन्द्र
राकील अहमद
9759434681
नगर पंचायत - न्यूरिया हुसैनपुर पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
फारूख टिम्बर न्यूरिया
जमशीद समाज सेवी 6396842084

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हर शुक्रवार ओपीडी फ्री
ACCESS
HOSPITAL
पता : प्रभात मार्केट, रामपुर रोड, मुरादाबाद
Mob. : 9997957933, 9450504401, 9568743786
आई.सी.यू. व 24 घन्टे इमरजेन्सी भर्ती की सुविधा उपलब्ध
डा0 ईरम शाहब
डा0 एस.सी. शर्मा
डा0 जे0 शाहब
डा0 एम. ए. अंसारी
डा0 एम. ए.
हर माह की 1 तारीख को निःशुल्क कैम्प

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
पद्मश्री ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित
हाई कोर्ट एडवोकेट डॉ अविनाश सिंह राठौड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा एवं कानून प्रकोष्ठ पत्रकार राज् संघ
क्यूँ न लिखूँ सच हिंदी समाचार पत्र स्टेट ब्यूरो छत्तीसगढ़
डॉ अविनाश सिंह राठौड़

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत बंगा मोहम्मदगंज
विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत
कटमटा विकासखंड
अमरिया जनपद
पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत
कल्याणपुर
चक्रतीर्थ
विकासखंड
अमरिया
जनपद
पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत
नगरिया खुर्द कला
विकासखंड पूरनपुर
जनपद पीलीभीत

India
HAPPY REPUBLIC DAY
26TH JANUARY
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
शुभकामनाएं
ग्राम प्रधान संजना देवी पत्नी ओमपाल
ग्राम पंचायत मैनाकोट विकासखंड पूरनपुर जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत डाडिया विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
जे ई नरेंद्र कुमार
आर ई डी
विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत माधोपुर विकासखंड
अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
रोशन लाल उर्फ कल्लू
ग्राम प्रधान
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत अंडरायन विकास खंड अमरिया पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
भारत भीम भूषण द्विवेदी
पेशकर एस डी एम कोर्ट
भिनगा श्रावस्ती

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत गुलडिया दुल्हन
ग्राम प्रधान शाईन एवं ग्राम
पंचायत अधिकारी गौरव सिंह

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
BREAK
RULES
ग्राम पंचायत तुमडिया विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
ग्राम प्रधान
नजमा बेगम प्रधान
पुत्र उवैस अंसारी
ग्राम पंचायत जगत विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
प्रिंस कुमार
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
कौशल यादव
(पेशकर)
तहसील दार कोर्ट
भिनगा श्रावस्ती

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जैविक खेती अपनाएं
पानसिंह करोरिया
उपसंचालक,
कृषि विभाग, शिवपुरी, मध्य प्रदेश

India
HAPPY REPUBLIC DAY
26TH JANUARY
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
शुभकामनाएं
हेमलता रघुवीर रावत
अध्यक्ष जनपद पंचायत शिवपुरी

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत-सुकटिया विकासखंड
अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
वीरेंद्र कुमार गौतम
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
भोला यादव
सभासद
नगर पालिका परिषद भिनगा मोहल्ला गौतम बुद्ध नगर भिनगा श्रावस्ती

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
राहुल भाटी
पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
अश्वनी कुमार पांडे
जिला अधिकारी श्रावस्ती

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
डॉक्टर अनिकेत गंगवार
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया पीलीभीत

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गुड्डी देवी प्रधान
पति टीकाराम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बगवा विकासखंड
अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
अजय कुमार चौधरी
जिला अध्यक्ष
भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) श्रावस्ती

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
बिलाल अहमद
प्रधान
वंश पुरवा महसी बहराइच बहराइच

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
राम छबीले यादव
पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष
ग्राम पंचायत हेमरिया प्रधान ब्लॉक तेजवापुर बहराइच

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर अरकान पाशा
नेशनल हॉस्पिटल
प्रिंस रोड मुरादाबाद

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत नबादा दास विकासखंड अमरिया जनपद पीलीभीत

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
डॉ अशोक यादव
पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष इकौना
निवासी : ग्राम मध्यनगर मनोहरपुर पो इकौना जिला श्रावस्ती

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
विनोद कुमार वर्मा
ग्राम पंचायत मसूद नगर बसधनवा ब्लॉक शिवपुर बहराइच

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
राजू प्रधान
बंजरिया महसी बहराईच

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
Ashirwad enterprises
Deals in
photocopiers
machine, printers,
cartridges, repairing
& services
E-40 Ist butler plaza civil place
bareilly -9837179635, 9368766641

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
सचिन कुमार
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खंड अमरिया जनपद पीलीभीत